२६२ 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

Stamp duty ... the I. B. Act. of 1899

Adl Stamp duty paid under the I. M. Act. 1959. 1200.00

(1)

(2)

सही तुलसी महतो केवाला लिखा सो सही मजमून पढ़कर सुन समझकर जमीन ...
मो. रु. 0000 साठ हजार रुपया में रजामंदी केवाला लिख दिया। सतोष कुमार मेहता 28.8.2000
सही पंचु महतो रजामंदी में केवाला लिखा सो सही ...
पाया सा: संतोष कुमार मेहता 28.8.2000
सही संतोष कुमार मेहता मेरे सामने ... ने अपने अपने बायें अंगूठे का निशान
बनाया 28.8.2000

(१) लेख्य कारी का नाम एवं पूरा पता :-

(१) श्री- तुलसी महतो } पिता का नाम
(२) श्री- पँचु महतो } स्व० फागु

महतो जाति कोईरी व्यवसाय

खेती निवास गाँव एवं पो०मौ०

मुदना थाना डालटनगंज जिला

पलामू राजदेव आरतीअंकितन.1

663837

(२)

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(२) लेख्य धारी का नाम एवं पुरा पता:-

श्री-मती शान्ति देवी पति का नाम
श्री- भिखारी राम जाति चमार
व्यवसाय खेती निवास गाँव न्यु एरोमा
हमीदगंज कन्दाखाड़ पो० ऑ० एवं -
थाना डालटनगंज जिला पलामू सबूतनामा
भारतीय सचन पत्र जीवन २१
दिनांक २८-८-२०००ई०/-

(3) लेख्य प्रकार:- विक्रय पत्र केवाला।

(४) मुल्य:- मो० ६०,०००/रुपये साठ हजार रुपये मात्र/

आज का बाजार मुल्य:- मो० ६०,०००/रु साठ हजार रुपये मात्र/

(५) सम्पति:- मवाजी ०.०५ डीसमील पांच डीसमील जमीन

(3)

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

एक फसला अदिन्वित हलक रवाता -
प्लॉट- चौहद्दी जैल- वाके मौजा कुन्ड
मुहल्ला न्यू एरीया हमीदगंज कन्दाखाड़
थाना डालटेनगंज सब रजिस्ट्री ऑफीस
एवं जिला रजिस्ट्री ऑफीस मोकाम
डालटेनगंज परगने वो जिला पलामू का
हकिमत कानूनी रैयती मौरुसी अन्दर
मुनसिपल एरीया डालटेनगंज का
जमीन बिक्री होता है।

थाना न-	तौजी न.	खेवट न.	वार्ड न.
१७०	९३	९	१३

तफसील जमीन का पूरा विवरण

खाता न.	प्लॉट न.	रकबा	चौहद्दी
४१ एकतालिस	१४४ एक सौ चौवालिस	ए.डी. 0.05	उ: निज क्रेता द: निजविक्रेता एवं नन्ददेव ठाकुर पू: निज क्रेता

(४)

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

पाँच डीसमील जमीन बिक्री होता है।

सालाना माल गुजारी :- मो० 1.00 एक रुपये अलावे शेष।

नाम मालिक :- दि स्टेट ऑफ बिहार वजरिये अंचल अधिकारी डालटेनगंज जिला पलामू

विदित हो कि उपरोक्त जमीन पर हमलोगों का मौरूसी रैयती हक हासिल है वो शान्ति पूर्ण ढंग से हम लोग दखल कब्जा में चले आ रहे हैं वो नाम व सिरिस्ते सरकार दर्ज है।

इस वक्त हम लोगों को मो० 60,000/ साठ हजार रुपये कि अति जरूरी वास्ते महाजन देना वो मकान बनाना है जो बिना जमीन बिक्री किए हुए रुपये का इन्तजाम

सही/ तुलसी महतो वा: सत्यकुमार महतो 4.8.2000

सही/ परशु महतो वा: सत्यकुमार महतो 4.8.2000

गवाह
[illegible] लाल पाण्डेय
[illegible]
ता० 2.8.2000

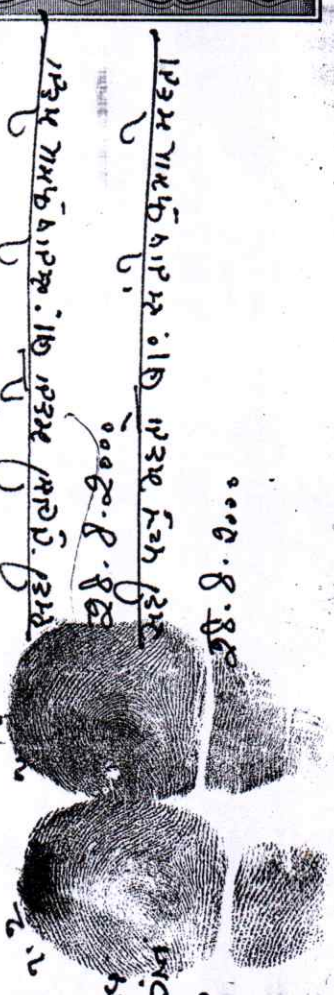

(5)

20 Rs.

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२०रु. TWENTY RUPEES 20 Rs

नहीं हो सकता है इस लिए उपरोक्त खाता
सेक्शन पाँच में वर्णित जमीन लेखन-धारी
श्रीमति शान्ति देवी जौजे श्री भिखारी
राम से मो० 60,000/रुपये में मवाजी 0.05
पाँच डीसमील जमीन खरीदने को कहा वो
क्रेता ने तैयार हुई वो दिगर कोई भी
व्यक्ति उपरोक्त मूल्य से अधिक देने को
तैयार नहीं है वो दाम आज के बाजार
भाव से पाक वो साफ है इस लिए मो०
60,000/रु. में मवाजी 0.05 डीसमील जमीन
क्रेता के हाथ बिक्री करने का बात चित
तय किया वो कबाला का कुल मूल्य
आज क्रेता के हाथ से एक मुश्त वो एक
दफे नगद वसूल पाया वो कबाला में वर्णित
जमीन क्रेता के हाथ बिक्री किया।

अब आज से लेखक कारीगण का
दखल कब्जा समाप्त हुआ वो लेखकधारी
का दखल कब्जा कायम हुआ।

अब लेखकधारी को चाहिए कि
उपरोक्त जमीन पर दखल कब्जा कर

20 Rs.

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२०रु. TWENTY RUPEES 20RS

उसके जो कुछ भी पैदावार वो पैसा आमदनी
हो या मकान बनावे उससे हम या हम
लोगों के वारिसान को कोई उजुर नहीं है
और न कभी भी भविष्य में होगा।
अब लेखनकारी गण ने लेखकधारी
को यह विश्वास दिलाते हैं कि उपरोक्त
जमीन हर तरह से पाक वो साफ है किसी
प्रकार का कोई भार वो देन नहीं है अगर
किसी तरह से दिक्कत होगा तो इसका पूरा
जिम्मेवारी लेखन कारी गण होंगे।
अब लेखक धारी को अधिकार है कि
अपना नाम व सिरिश्ते सरकार में दर्ज
करा लेवें वो लाल वलाल माल अदा
कर रसीद हासिल किया करें।
इस लिए उपरोक्त सभी बातों
को अच्छी तरह सोच वो समझ बूझ
कर अपने-अपने मन वो शरीर की

ह० सुरेश मेहता वो० अरविंदकुमार मेहता
दि० 8.8.2000

ह० परेश मेहता वो० पंकजकुमार मेहता
दि० 8.8.2000

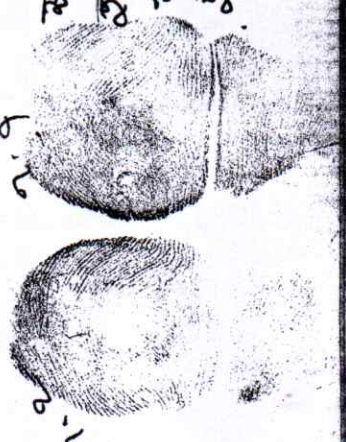

स्वच्छता में अपना नफा वो नुकसान को समझ बूझ कर होश वो हवास में यह विक्रय पत्र दोबाला लिख दिया कि समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे। मैं प्रमाणीत करता हूं कि दोनों दोबाला हूं-ब-हू एक दूसरे का प्रति-लिपि है।

आज तारीख 28-2-2000 ईस्वी-

कातिब :- नन्दकेश्वर चौधरी लाईद डालटेनगंज दोबाला का मजमून पढ़कर दोनों फरीकैन को पढ़ कर सुनायी समझा दिया ता० 28-2-2000 ईस्वी-

सही तुलसी महता बा: संतोषकुमार महता
28-8-2000

सही पल्टू महता बा: संतोषकुमार महता
28-8-2000